*अध्ययन सामग्री
विषय- हिन्दी
स्नातक प्रतिष्ठा(खण्ड-3)
प्रश्न पत्र- षष्ठ
दृष्टांत अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण
पदनाम- डॉ स्मिता जैन
एसोसिएट प्रोफेसर
हिंदी विभाग
एच डी जैन कॉलेज, आरा*

18:47 ✓✓

Scanned with CamScanner

(15)

दृष्टान्त अलंकार

यदि उपमेय - उपमान में बिम्ब - प्रतिबिम्ब भाव हो तो दृष्टान्त अलंकार होता है।

दृष्टान्त का अर्थ है उदाहरण। किसी बात को कहकर उसकी सत्यता प्रमाणित करने के लिए हम उसी तरह की दूसरी बात कहते हैं तो वही उदाहरण कहलाता है।

"भरतहिं होइ न राजमद, विधि हरि हर पद पाइ, कबहुँ कि काँजी सीकरनि, छीरसिंधु बिनसाइ॥"

यहाँ भरत (उपमेय) का 'विधि-हरि-हर-पद पाकर भी राजमद न होना' और क्षीरसिन्धु (उपमान) का 'काँजी की बूँदों से न बिगड़ना' — इनमें बिम्ब-प्रतिबिम्बभाव होने से दृष्टान्त अलंकार है।

"एक म्यान में दो तलवारें कभी नहीं रह सकती हैं
किसी और पर प्रेम नारियां पति का क्या सह सकती हैं।"

~~एक म्यान में दो तल~~ यहाँ प्रथम वाक्य की सत्यता प्रमाणित करने के लिए दूसरा वाक्य आया है। अतः दृष्टान्त अलंकार है।